

দূরদেশী সেই রাখাল ছেলে

আমার বাটে বটের ছায়ায় সারা বেলা গেল খেলে ॥

গাইল কী গান সেই তা জানে, সুর বাজে তার আমার প্রাণে—

বলো দেখি তোমরা কি তার কথার কিছু আভাস পেলো ॥

আমি তারে শুধাই যবে ‘কী তোমারে দিব আনি’—

সে শুধু কয়, ‘আর কিছু নয়, তোমার গলার মালাখানি ।’

দিই যদি তো কী দাম দেবে যায় বেলা সেই ভাবনা ভেবে—

ফিরে এসে দেখি খুলায় বাঁশিটি তার গেছে ফেলে ॥

II সী -১ সী | ধা খপা -১ I মা যরা -১ | রা সা -১ I
 দৃ ব্ দে নী সে ই রা খা ল্ ছে লে .

I না সা -১ | রা মা -রা I মা পা -১ | পনা পা -১ I
 আ মা ব্ বা টে . ব টে ব্ ছা. রা র্,

I না সী -না | নরী সী -১ I ধা পা -১ | মগা রা -১ I
 সা রা . বে. লা . পে ল . খে . লে .

I না -সা -রা | -মা -পা -ধা I গা -১ -১ | -রা -১ -সী II
 আ হা

II { না -১ না | না -১ -সী I সী -১ -১ | ১ -১ -পা I
 গা ই ল কী গা ন্

I পা -না না | না -১ -সী I সী -১ -১ | -১ -১ -১ I
 নে ই তা জা নে

I সী -রী রী | রী রী -পা I গা গধা -পা | পা পা (-না) } I -১ I
 স্ব স্ব বা জে . তা ব্ আ মা. ব্ প্রা নে . . .

I মা রা -১ | মা পা -১ I মা -১ পা | না সী -১ I
ব লো . দে খি . তো য় রা কি তা য়

I নরী সী -১ | গধা পা -১ I মা মগা -মা | রা সা -১ I
ক. থা য় কি. ছ . আ ভা. য় পে লে .

I না -সা -রা | -মা -পা -ধা I গা -১ -১ | -রা -১ -সী II
আ হা

II { মা পা -১ | পা পা -মা I গধা সী -১ | ধা পা -মা I
আ মি . তা রে . হু. ধা. ই য় বে .

I পা -গা গা | ধা গা -১ I ধসী গা -১ | ধা পা (-ধা) } I -১ I
কি . তো মা রে . দি. ব . আ নি . .

I { সা -না সা | রা সা -১ I সা -না সা | রা সা -১ I
সে . ত ধু ক য় আ য় কি ছ ন য়

I না সা -১ | রা রা -সা I রপা মপা -১ | রা সা (-রা) } I -১ I
তো মা য় গ লা য় য়া. লা. . ধা নি . .

I { না -১ -১ | না না -সী I নসী -১ -১ | -১ -১ -পা I
দি ই . য় দি . তো.

I পনা না -১ | না -১ -সী I সী -১ -১ | -১ -১ -১ I
কী. দা য় দে বে

I সী -রী সী | সী সী -পা I গা -পা গা | ধগা পা (-না) } I -১ I
যা য় বে লা. সে ই ভা য় না ভে. বে . .

I মা রা -১ | মা পা -১ I মা পা -১ | না সা -১ I
ফি রে . এ সে . দে খি . ধু লা য়্

I সঁরঁ সা -১ | গধা পা -১ I পমা মরা -মা | রা সা -১ I
বা. শি . টি. তা ব্ গে ছে. . ফে লে .

I ন্ -সা -রা | -মা -পা -ধা I গা -১ -১ | -রা -১ -সা II II
আ হা